भारतीय वानिकी अनुसंधान
एवं शिक्षा परिषद्

वानिकी समाचार

वर्ष 11 अंक 08
अगस्त 2019

अनुक्रमणिका

महत्वपूर्ण अनुसंधान निष्कर्ष पृष्ठ – 01
परामर्शी पृष्ठ – 03
किसान मेला पृष्ठ – 03
कार्यशाला / संगोष्ठी / बैठकें पृष्ठ – 03
प्रशिक्षण कार्यक्रम पृष्ठ – 06
प्रकृति कार्यक्रम पृष्ठ – 07
जागरूकता एवं प्रदर्शन कार्यक्रम पृष्ठ – 08
मानव संसाधन समाचार पृष्ठ – 09

महत्वपूर्ण अनुसंधान निष्कर्ष

वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून

- सिक्किम से एकत्रित *वैलेरियाना जटामंसी* की एक वृक्ष आबादी (VAL-SIK) की उनके प्रकंदों के वाष्पशील घटकों के लिए GC-MS की सहायता से रसायन प्रोफाइलिंग की गई।
- सिक्किम से एकत्रित *पेरिस पोलीफायला* के एक वृक्ष आबादी (PAR-SKM) के प्रकंदों में कुल सेपोनिन मात्रा निर्धारित की गई।
- गोपेश्वर के वनों में पायी जाने वाली *क्वर्कस सेमिकार्पिफोलिया* के वृक्ष आबादी के 28 अनुक्रमों के पर्णों में कुल फिनोलिक मात्रा निर्धारित की गई।
- धालुवाला मजबाटा (हरिद्वार), फतेहपुर पेलियो (सहारनपुर) तथा कोदापुर (प्रयागराज) में खाली खेतों पर 4x5 मी. तथा 5x5 मी. के अंतरालों पर *जी. आर्बोरिया* तथा *ई. आफिसिनेलिस* आधारित कृषि वानिकी माडलों पर परियोजना कार्य प्रगति में है। फतेहपुर (पेलियो), धालुवाला मजबाटा (हरिद्वार) तथा कोदापुर (प्रयागराज) के स्थलों पर *जी. आर्बोरिया* तथा *ई. आफिसिनेलिस* की वृद्धि दर्ज की गई। प्रयोगशाला में विश्लेषण के लिए मृदा नमूने भी एकत्रित किए गए। प्रारम्भिक चरणों में *जी. आर्बोरिया* तथा *ई. आफिसिनेलिस* दोनों कृषि फसलों के साथ बेहतर प्रदर्शन कर रहीं हैं।
- धालुवाला मजबाटा (हरिद्वार) के दोनों स्थलों पर कचनार, भीमल तथा कदंब की वृद्धि दर्ज की गई। प्रयोगशाला में विश्लेषण के लिए मृदा नमूने एकत्रित किए गए। प्रारम्भ में कदंब, भीमल तथा कचनार से बेहतर प्रदर्शन कर रही है।
- उत्तराखण्ड में देहरादून व हरिद्वार तथा हरियाणा में यमुना नगर (कलेशर) जिलों से *एपेनटेलस* प्रजा. के उद्भव के लिए कीट लार्वा के 22 नमूनों (*टर्मिनेलिआ बेल्लीरिका* के पर्णों को निष्पत्रित करते *कैटोप्सिलिआ पोमोना, बैडामिआ एक्सलामेटिओनिस* तथा *ओरानेसिआ इमारजिनेटा; कैसिआ फिस्टुला* पर *कैटोप्सिल एपोमोनाओन; टैक्टोना ग्राण्डिस* पर *हिब्लिआ प्यूरिया* तथा *यूटेक्टोना मैचिरेलिस; पोपुलस डेल्टोइड्स* को निष्पत्रित करते *क्लोसटेरा क्यूप्रेटा* तथा *क्लोसटेरा फुलगुरिटा; टैक्टोना ग्राण्डिस* पर *हाइपोसिड्रा टलाका; लेजरस्ट्रोइमिआ स्पेसिओसा* पर *फोडिना कोण्टिगुआ* तथा *एकेइए जेनाटा*) को एकत्रित किया गया।
- देहरादून, हरिद्वार तथा सहारनपुर जिलों में विभिन्न वानिकी वृक्षोंः *एकेशिया* प्रजा., *एन्थोसेफेलस कदंबा, कैल्लीस्टेमोन* प्रजा., *कैसिया फिस्टुला, डलबर्जिया सिस्सु, एम्बिलिका ऑफिसिनेलिस, यूकेलिप्टस* प्रजा., *हेप्लोफ्रागमा एडेनोफायलम, होलोप्टिला इण्टिग्रीफोलिया, पोपुलस डेल्टोइड्स, क्वर्कस ल्यूकोट्राइकोफोरा* तथा *टर्मिनेलिया अर्जुना* से कीट अण्डों के उन्चास प्रतिदर्श एकत्रित किए गए। एकत्रित अण्ड प्रतिदर्शों से नौ अण्ड परजीव्याभों : *कैसिआ फिस्टुला* पर *ऑक्सीरेचिस टैरण्डस* के अण्डों से *मिरूफेन्स* प्रजा., *कैल्लीस्टेमोन* प्रजा. पर मत्कुण के अण्डों से *यूप्लिमिड, यूकेलिप्टस* प्रजा. पर मत्कुण के अण्डों से *ओइनसारटस* प्रजा, *यूकेलिप्टस* प्रजा. पर मत्कुण के अण्डों से *ट्रिस्सोलकस* प्रजा., *डलबर्जिया सिस्सु* पर मत्कुण के अण्डों से *इनसायरटिड, एन्थोसेफेलस कडंबा* पर मत्कुण अण्डों से स्केलिओनिड, *क्वर्कस* प्रजा. पर मत्कुण के अण्डों से इनसायरटिड, *हेप्लोफ्रागमा एडेनोफायलम* पर मत्कुण के अण्डों से *टेलेनोमस* प्रजा. तथा *डलबर्जिया सिस्सु* पर मत्कुण के अण्डों से इनसायरटिड का उद्भव हुआ।

- मानसून ऋतु के दौरान उत्तराखण्ड के उत्तरकाशी जिले में (संकरी–तालुका–गंघार–ओसला–हरकी–दून–सेमा–सिङ्री; संकरी–जुड़ा–का–तालाब) 7 दिवसीय क्षेत्र सर्वेक्षण किया गया। 6 वन उप–प्रकारों नामतः 14/C1b पश्चिमी हिमालय उप एल्पाइन बिर्च फर वन; 14/C1b पर्णपाती उप–एल्पाइन शाक वन; 14/1S2 बन ओक वन; 12/C1a पश्चिम हिमालय अपर ओक / फर वन; 12/C2b निम्न स्तरीय कैल वन, 9/C1b अपर / हिमालयन चीड़ पाइन वन के 10 ट्रान्जेक्टों में प्रतिदर्श लिए गए। कुल 35 प्रजातियों के नमूने लिए गए तथा असामान्य तितलियों की प्रजाति के 20 प्रतिदर्श एकत्रित एवं परिरक्षित किए गए। विभिन्न वन उप–प्रकारों से इन स्थलों से अभिज्ञान के लिए 22 प्रजातियों के वृक्ष एवं शाकों के हर्बेरियम प्रतिदर्श भी एकत्रित किए गए। नमूना चयन के स्थलों को चुनने के लिए सर्वेक्षण के लिए गए हर–की–दून जलागम क्षेत्र का भौगोलिक सूचना प्रणाली आधारित कृत्रिम रंग सम्मिश्र मानचित्र सृजित करने के लिए किया गया।
- मानसून ऋतु के दौरान नवीन नाशीकीटों तथा काष्ठ वेधकों द्वारा क्षति की व्यापकता को दर्ज करने के लिए वृक्ष परिधि प्रस्तम्भ उंचाई, घनत्व तथा वानस्पितिक संरचना व संक्रमण को ज्ञात करने के लिए 15 क्वाड्रेट्स (10m X 10m) निर्धारित कर उत्तराखण्ड के संकरी वन प्रभाग, उत्तरकाशी में बाँज (*क्वर्कस ल्यूकोट्राइकोफोरा*), मोरू (*क्यू. फ्लोरीबण्डा*), खारसु (*क्यू. सेमीकार्पिफोलिया*) ओक वनों में एक क्षेत्र सर्वेक्षण किया गया। बाँज एवं मोरु ओक वनों से शलभों की 6 प्रजातियों को उनके लार्वा के साथ–साथ एकत्रित किया गया, जिनका प्रयोगशाला में मोरु ओक पर पालन किया गया। विगत में क्षेत्र से लाए गए बन एवं खारसु ओक के कुन्दों पर सिरामबिसिड तना वेधक *जायलोट्रेकस बेसिफ्यूलीजिनोसिस* के जीवविज्ञान पर प्रयोगशाला में प्रयोग जारी रहे।
- 83 प्रकारों को डिजीटलीकृत किया गया तथा कीटों के लगभग 950 छायाचित्रों को संपादित एवं भण्डारित किया गया। प्रजातियों एवं उनके छायाचित्रों पर सूचना आंकड़ा–संचय में प्रविष्ट आंकड़ों को यह जाँचने के लिए कि आंकड़ा–संचय में प्रजाति का नाम या इसके छायाचित्र एवं अवस्थिति पर सूचना आंकड़ा–संचय में उचित रूप से प्रविष्ट की गई है, को कैबिनेटवार व दराजवार सत्यापित किया गया। 17 कैबिनेटों को सत्यापित किया गया।
- *क्लोसटेरा क्यूप्रेटा* के जीवविज्ञान पर अध्ययन करने के लिए पॉपलर के दस कृन्तक (व.अ.सं. के अतिरिक्त) एकत्रित किए गए। पॉपलर के 10 कृन्तकों का पर्ण क्षेत्रफल मापन पूर्ण हो चुका है। पॉपलर के 10 कृन्तकों का पर्ण वजन भी लिया गया तथा आंकड़े अभिलिखित किए गए।
- उत्तर प्रदेश में शामली, मेरठ तथा उत्तराखण्ड में हरिद्वार से टेरोमैलिड परजीव्याभों तथा उनके सम्भावित मेजबानों को एकत्रित किया गया। अर्बुद संक्रमित पादप हिस्सों से संक्रमित टहनियों, पर्णों के अनेकों प्रतिदर्श एकत्रित किए गए तथा परजीव्याभों के एकत्रण के लिए स्वीप नेट विधि को भी प्रयुक्त किया गया। अन्य सूक्ष्म–हाइमेनोपटेरन परजीव्याभों के साथ–साथ टेरोमैलिड परजीव्याभों का उद्‌भव प्रेक्षित किया गया, एकत्रित, परिरक्षित तथा विधिवत दर्ज किया गया। व.अ.सं. परिसर में *फाइकस बेन्जामिना*, तथा *फाइरज रेलिजियोसा* के अर्बुद संक्रमित पर्णों का एकत्रण किया गया। *फाइकस बेन्जामिना, यूप्रिस्टिना विट्रीसेल्लाटा* तथा *वाल्केरेल्ला प्रजा.* को दर्ज किया गया तथा *फाइकस रेलीजिओसा* के फलों से टेरोमैलिड मादा ततैया (अभिज्ञ) को एकत्रित किया गया। *फाइकस रेलीजिओसा* के अर्बुद पर्णों को भी एकत्रित किया गया तथा प्रयोगशाला में पाला गया, अभिज्ञ ततैया को एकत्रित किया गया। अर्बुद संक्रमित अभिज्ञ पर्णों का एकत्रण किया गया।

वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर

- वन आनुवंशकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान सन् 1997 से ही *एकेशिया मैनजियम* का वृहद वृक्ष सुधार कार्यक्रम क्रियान्वित कर रहा है। भारत में सभी वृक्ष सुधार कार्यक्रम 1996 के दौरान सी.एस.आई.आर.ओ., आस्ट्रेलिया से प्राप्त आनुवंशिक संसाधनों पर आधारित थे। हाल ही में आस्ट्रेलियाई वृक्ष बीज केन्द्र ने कम्बोडिया, थाइलैण्ड, वियतनाम, मलेशिया, इण्डोनेशिया, चीन तथा भारत में *ए. मैनजियम* के वर्तमान आनुवंशिक मूल को बढ़ाने के लिए अंतरराष्ट्रीय रूप से समन्वित संतति परीक्षण कार्यक्रम का आरम्भ किया है। वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान ने राम नगर, डण्डेली तथा कर्नाटका में *एकेशिया मैनजियम* का अंतरराष्ट्रीय संतति परीक्षण स्थापित किया है। संतति परीक्षण को 3x3 मीटर के अंतराल में पंक्ति–कालम डिजाइन में रोपित चार प्रतिकृतियों में 16 वृक्ष प्रति प्रतिकृति के अनुसार संततियों के 15 नवीन समुच्चय स्थापित किए गए। यह अपेक्षित है कि संततियों के नवीन समुच्चय *ए. मैनजियम* की वृद्धि एवं काष्ठ गुणधर्मों के सन्दर्भ में उच्च आनुवंशिक लाभ प्राप्त करने में सहायता करेंगे तथा इससे समग्र रोपण उत्पादकता एवं कृषकों व वन विभागों की आय में वृद्धि होगी।
- आन्ध्र प्रदेश के पूर्वी तथा पश्चिमी गोदावरी जिलों में इण्टरनेशनल पेपर्स ए.पी.पी.एम.लि. के सहयोग से विभिन्न मृदा प्रकारों के लिए कम्पनी के फार्म वानिकी कार्यक्रम के अंतर्गत प्रसार करने के लिए उत्कृष्ट कृन्तक को चिह्नित करने के लिए चार ऑन फार्म आनुवंशिक वृद्धि परीक्षण स्थापित किए गए। इसके अतिरिक्त, उत्कृष्ट कृन्तक के माध्यम से अतिरिक्त लुगदी काष्ठ उत्पादन के रूप में साधित लाभ की मात्रात्मक तुलना अगले श्रेष्ठ विकल्प के साथ की जा सकती है (वर्तमान में प्रयुक्त कृन्तक / स्थानीय बीज स्रोत)। यह सूचना कम्पनी के विस्तार दल को कृषकों को भविष्य के रोपणों में से उपज के बारे में प्रामाणिक विवरण प्रदान करने में भी लाभकारी होगी। इन परीक्षणों की स्थापना कृषकों की भूमियों में की गई थी, जिससे उनका उपयोजन कृषकों के मध्य कृन्तकों को लोकप्रिय बनाने के लिए प्रदर्शन भूखण्ड के रूप में किया जा सके।
- 6 माह की आयु में वृद्धि एवं उत्तरजीविता का पूर्व मूल्यांकन किया गया। सभी अवस्थितियों में सभी कृन्तकीय एवं नवांकुर अनुक्रमों के लिए उत्तरजीविता 90% से ऊपर थी। यह परीक्षण अवस्थितियों में अनुक्रमों की अनुकूलनता को इंगित करता है। सभी चार अवस्थितियों में IFGTB-CH-2 तथा IFGTB-CH-5 कृन्तकों ने अन्य अनुक्रमों की तुलना में निरंतरता से उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इन दोनों कृन्तकों ने 6 माह की आयु में 2.4 मीटर का औसत वृद्धि दर्ज की। कृन्तक IFGTB-CH-1 तथा IFGTB-CH-3 ने कुछ अवस्थितियों में अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन अन्य अवस्थितियों में ऐसा नहीं था, जबकि कृन्तक CH-4 ने सभी अवस्थितियों में निरंतर औसत से निम्न प्रदर्शन दर्शित किया। व.आ.वृ.प्र.सं.

द्वारा निर्मुक्त सभी 5 संकर कृन्तकों ने वर्तमान में रोपित कृन्तक तथा नवांकुर अनुक्रमों से उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। 1.4 मीटर की औसत ऊंचाई के साथ CJ-1 कृन्तक (वर्तमान में कम्पनी द्वारा प्रवर्धित) ने न्यूनतम वृद्धि दर्ज की तत्पश्चात स्थानीय बीज स्रोत ने 1.84 मीटर की वृद्धि दर्ज की। 2.55 मीटर की औसत ऊंचाई के साथ तम्बाकू क्षेत्र (गोपालपुरम) में उत्कृष्ट वृद्धि महसूस की गई। इस अवस्थिति में कृन्तक CH-5 ने 3 मीटर के करीब ऊंचाई दर्शित की। 1.64 मीटर की औसत ऊंचाई के साथ तटीय स्थल शंकरागुप्तम में सबसे मंद वृद्धि महसूस की गई। लेकिन इस अवस्थिति पर CH-2 ने 2.31 मीटर की ऊंचाई दर्शित की। यद्यपि यह परिणाम वृक्षों की 6 माह की वृद्धि से अवतरित हैं, उद्यीमान प्रवृत्तियां स्पष्ट रूप से दृश्यमान हैं। अक्टूबर/नवम्बर 2019 के दौरान, कुन्तकों की एक वर्ष की आयु के दौरान प्रदर्शन के आधार पर भविष्य की रोपणियों को स्थापित करने के लिए कृन्तक स्थलीय मिलान प्रस्तावित है।

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

- परियोजना "राजस्थान के राजभवनों की वनस्पति एवं जीव–जन्तु विविधता" में वनस्पतिक विविधता आकलन के अंतर्गत 12 कुलों से सम्बन्धित 30 जड़ी–बूटी एवं घास प्रजातियां हैं। इनमें एक आरोही प्रजातियां *कोस्सिनिआ ग्राण्डिस* सम्मिलित हैं। राजभवन जयपुर क्षेत्र में जड़ी–बूटी सम्बन्धी बहुल प्रजातियां *एक्लायफा इण्डिका, एसिरेन्थेस एस्पेरा, एक्रासिन रेमोसा, कैसिया ऑक्सीडेण्टेलिस, कोस्सिनिआ ग्राण्डिस, कोम्मिलिना बेन्घेलेन्सिस,* कोरचोरस *एस्ट्यून्स, इराग्रोस्टिस माइनर, यूफोर्बिआ थायमिफोलिआ, सेटारिआ वेर्टिसिल्लाटा, ट्रायमफेट्टा रोमबोइडिए* तथा *वेर्बेसिना इनसिलिओइड्स* हैं।

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

- कल्प वन रेंज, किन्नौर वन प्रभाग में पहली बार *सिड्रस देवदारा* पर शल्ली कीट (रस चूसक; गण – हेमीपटेरा, उप गण – स्टेनोरेयनचा, सुपर फैमिली – कोक्कोनिडिए) का आक्रमण दर्ज किया गया।

किसान मेला

संस्थान	प्रतिभाग	समयावधि	स्थान
व.उ.सं., राँची	देवेघर श्रावणी मेला	12 तथा 13 अगस्त 2019	श्रावणी, देओघर

परामर्शी

- टिहरी हाइड्रो डेवलपमेंट कार्पोरेशन इंडिया लि.; हिमाचल प्रदेश पावर कार्पोरेशन लि.; कर्नाटक स्टेट ऑफिशियल एथोरिटी; प.व.ज.प.मं., भारत सरकार, नई दिल्ली; कोल इंडिया लिमिटेड, कोलकाता; एन.टी.पी.सी. लि., नोएडा; एन. एम.डी.सी.लि., हैदराबाद; सिंगरेनी कोल्लिएरिज कम्पनी लि., कोठागुडेम; छत्तीसगढ़ वन विभाग, रायपुर तथा वन एवं पर्यावरण विभाग, भुवनेश्वर द्वारा प्रदत्त दस परामर्शी परियोजनाओं पर भा.वा.अ.शि.प. वर्तमान में कार्य कर रहा है।

कार्यशाला/संगोष्ठी/बैठकें

क्र. सं.	विषय	समयावधि	लाभार्थी
	वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून		
1.	वानिकी हस्तक्षेपों के माध्यम से यमुना नदी का जीर्णोद्धार	6 अगस्त 2019	विभिन्न हितधारक, गैर सरकारी संगठन, कृषक इत्यादि
2.	वन भू–परिदृश्य पुनरूद्धार	7 अगस्त 2019	वैज्ञानिक, छात्र तथा कृषक इत्यादि

पंचकुला (हरियाणा) में यमुना नदी के जीर्णोद्धार पर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट के लिए हितधारकों हेतु राज्य स्तरीय परामर्शी बैठक

	वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर		
3.	''व.आ.वृ.प्र.सं. तथा इसकी प्रौद्योगिकीयां'' तथा ''कृन्तकीय वानिकी'' पर लघु फिल्मों का निर्माण	30 अगस्त 2019	–
	उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर		
4.	क्षेत्रीय अनुसंधान सम्मेलन	23 अगस्त 2019	हितधारक एवं शोधार्थी
5.	क्लिनिकीकल प्रैक्टिस में भारतीय पारम्परिक हर्बल औषधियों का पुनरूत्थान, आधुनिकीकरण तथा एकीकरण : महत्ता, चुनौतियां एवं भविष्य	29 अगस्त 2019	शोधार्थी
	शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर		
6.	राजस्थान की अकाष्ठ वन उत्पाद प्रजातियां तथा उनका मूल्य वर्धन	29 अगस्त 2019	वन विभाग के कार्मिक
	वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट		
7.	वानिकी हस्तक्षेपों के माध्यम से ब्रह्मपुत्र नदी के जीर्णोद्धार के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट का निर्माण के अंतर्गत राज्य स्तरीय परामर्शी बैठक : पश्चिम बंगाल	06 अगस्त 2019	ब्रह्मपुत्र नदी घाटी के लोग, वन विभाग, शोधार्थी
8.	वानिकी हस्तक्षेपों के माध्यम से ब्रह्मपुत्र नदी के जीर्णोद्धार के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट का निर्माण के अंतर्गत राज्य स्तरीय परामर्शी बैठक : नगालैण्ड	27 अगस्त 2019	ब्रह्मपुत्र नदी घाटी के लोग, वन विभाग, शोधार्थी

पश्चिम बंगाल में राज्य स्तरीय परामर्शी बैठक

नगालैण्ड में राज्य स्तरीय परामर्शी बैठक

	हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला		
9.	रावी नदी पर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट का निर्माण	02 अगस्त 2019	राज्य वन विभाग, गैर सरकारी संगठन, अन्य संबद्ध विभाग, चम्बा के स्थानीय लोग इत्यादि

10.	वानिकी हस्तक्षेपों के माध्यम से सतलज नदी घाटी के जीर्णोद्धार के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट का निर्माण	02 अगस्त 2019	हिमाचल प्रदेश राज्य वन विभाग तथा पारि–पर्यटन, जल विद्युत परियोजनाएं, रामपुर एच.पी.एस., लुहरी एच.ई.पी., एन.जे.पी.एस. झाकरी, कृषि, उद्यान, लोक निर्माण विभाग, कृषकों को सम्मिलित कर विभिन्न सम्बद्ध विभाग

बिलासपुर (हि.प्र.) के हितधारकों के लिए प्रथम परामर्शी बैठक

11.	कुल्लू में वानिकी हस्तक्षेपों के माध्यम से व्यास नदी के जीर्णोद्धार के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट का निर्माण	05 अगस्त 2019	हिमाचल प्रदेश के हितधारक
12.	केयलाँग में वानिकी हस्तक्षेपों के माध्यम से चिनाब नदी के जीर्णोद्धार के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट का निर्माण	06 अगस्त 2019	हिमाचल प्रदेश के हितधारक
13.	किल्लर में वानिकी हस्तक्षेपों के माध्यम से चिनाब नदी के जीर्णोद्धार के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट का निर्माण	08 अगस्त 2019	हिमाचल प्रदेश के हितधारक
14.	वानिकी हस्तक्षेपों के माध्यम से सतलज नदी घाटी के जीर्णोद्धार के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट का निर्माण	09 अगस्त 2019	–
15.	बिलासपुर में सतलज नदी पर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट	17 अगस्त 2019	बिलासपुर के हितधारक

उप निदेशक, उद्यान, किन्नौर के कार्यालय में परामर्शी बैठक

बिलासपुर (हि.प्र.) के हितधारकों के लिए प्रथम परामर्शी बैठक

16.	धर्मशाला में वानिकी हस्तक्षेपों के माध्यम से व्यास नदी के जीर्णोद्धार के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट का निर्माण	19 अगस्त 2019	हिमाचल प्रदेश के हितधारक
17.	पंजाब वन विभाग में वानिकी हस्तक्षेपों के माध्यम से व्यास नदी के जीर्णोद्धार के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट का निर्माण	21 एवं 23 अगस्त 2019	हमीरपुर में हिमाचल प्रदेश के हितधारक
	वन उत्पादकता संस्थान, राँची		
18.	गुणवक बीज उत्पादन के लिए रणनीति	23 अगस्त 2019	अधिकारी, वैज्ञानिक तथा कार्मिक

प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्र. सं.	विषय	समयावधि	लाभार्थी
	वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर		
1.	VAM जैव उर्वरक उत्पादन तकनीकिया	8 तथा 9 अगस्त 2019	कर्नाटक सरकार, बल्लारी अनुसंधान वृत्त, बल्लारी, कर्नाटक के राज्य वन विभाग कार्मिक
2.	वन आनुवंशिक संसाधनों का लक्षण–वर्णन एवं उनका संरक्षण	28 तथा 29 अगस्त 2019	विभिन्न महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों के छात्र/ अनुसंधान अध्येता
3.	TNSPC द्वारा वित्तपोषित परियोजना के अंतर्गत जैव उर्वरक – महत्व, उत्पादन, अनुरक्षण तथा पौधशाला एवं खेतों में अनुप्रयोग	22 अगस्त 2019	राज्य वन विभाग कार्मिक, महिला स्वयं सहायता समूह, कृषक, वृक्ष उत्पादक, महाविद्यालय तथा विद्यालयों के शिक्षक, कोल्ली हिल्स, जिला नमक्कल, तमिलनाडु के गैर सरकारी संगठन

व.आ.वृ.प्र.सं. में VAM उर्वरक उत्पादन तकनीकियों पर प्रशिक्षण

व.आ.वृ.प्र.सं. में वन आनुवंशिक संसाधनों का लक्षण–वर्णन एवं उनके संरक्षण पर प्रशिक्षण

	काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरू		
4.	बाँस प्रवर्धन, मूल्य वर्धन एवं विपणन	26 से 28 अगस्त 2019	कृषक, लघु उद्यमी तथा राज्यवन विभाग

उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर

5.	आपदा जोखिम न्यूनीकरण तथा जलवायु तन्यकता में वानिकी क्षेत्र	5 से 9 अगस्त 2019	आपदा प्रबंधन प्रकोश्ठों के अधिकारी, वैज्ञानिक, भा.व.से. अधिकारी, अर्धसैनिक बलों के अधिकारी

वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट

6.	सोनितपुर पूर्व वन प्रभाग, विश्वनाथ चैरिएली, असम के सहयोग से वन विज्ञान केन्द्र, असम के अंतर्गत कौशल विकास प्रशिक्षण	22 तथा 23 अगस्त 2019	अग्रपंक्ति कार्मिक,स्वयं सहायता समूह, गैर सरकारी संगठन, संयुक्त वन प्रबंधन समिति के सदस्य
7.	व.अ.के.–कौ.वि. एन.एम.एच.एस. परियोजना 'बाँस गृह निर्माण के लिए बाँस परिरक्षण, बढ़ईगीरी तथा पुलिंदा बनाना' के अंतर्गत जागरूकता सह कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम	27 तथा 28 अगस्त 2019	–

वन विज्ञान केन्द्र, असम के अंतर्गत कौशल विकास प्रशिक्षण

व.अ.के.–कौ.वि. एन.एम.एच.एस. परियोजना के अंतर्गत जागरूकता सह कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

8.	औषधीय पादपों का संरक्षण तथा स्थानीय समुदायों के साथ हितों को साझा करना	26 से 30 अगस्त 2019	12 विभिन्न प्रतिभागी राज्यों से 6 भा.व.से. अधिकारी

प्रकृति कार्यक्रम

- वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून ने 23 अगस्त 2019 को ''प्रकृति'' कार्यक्रम के अंतर्गत जवाहर नवोदय विद्यालय, शंकरपुर, सहसपुर, देहरादून के छात्रों के लिए एक बहिमुखीकरण दौरा आयोजित किया। वानस्पतिक बाग तथा बाँस वाटिका के निकटवर्ती वनों में 49 जवाहर नवोदय विद्यालय के छात्रों को लेकर जाया गया।
- ''प्रकृति'' कार्यक्रम के अंतर्गत नई दिल्ली से शिक्षकों के नेतृत्व में 22 अगस्त 2019 को केन्द्रीय विद्यालय खिचड़ीपुर के 35 छात्र, 23 अगस्त 2019 को केन्द्रीय विद्यालय ए.जी.सी.आर. कॉलोनी के 54 छात्र, 26 अगस्त 2019 को केन्द्रीय विद्यालय सैनिक विहार के 44 छात्र, 27 अगस्त 2019 को केन्द्रीय विद्यालय गोल मार्केट के 50 छात्र, 28 अगस्त 2019 को केन्द्रीय विद्यालय एन.एफ.सी. विज्ञान विहार के 54 छात्र, 29 अगस्त 2019 को केन्द्रीय विद्यालय शालिमार बाग के 44 छात्र, 30 अगस्त 2019 को केन्द्रीय विद्यालय नं. 2 ए.पी.एस. कॉलोनी, दिल्ली कैण्ट के 44 छात्रों ने व.अ.सं., देहरादून का दौरा किया। छात्रों को संस्थान के वानस्पतिक बाग, बाँस वाटिका तथा संस्थान के विभिन्न संग्रहालयों में भी लेकर जाया गया।
- व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर ने अगस्त 2019 माह के दौरान ''प्रकृति'' कार्यक्रम के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें 1763 विद्यालय के छात्रों तथा 656 महाविद्यालय के छात्रों ने शिक्षा केन्द्र, गॉस वन संग्रहालय में प्रतिभाग किया।

- का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरू ने माह के दौरान निम्नांकित क्रियाकलाप आयोजित किए :
  - केन्द्रीय विद्यालय, हेब्बल कैम्पस, बेंगलुरू के कक्षा 10वीं के 58 छात्रों ने 28 अगस्त 2019 को का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरू का दौरा किया।
  - गोपालन स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर, बेंगलुरू के B.Arch (7 वां सेमेस्टर) के 24 छात्रों ने 07 अगस्त 2019 को का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरू का दौरा किया।
  - सौंदर्या सेण्ट्रल स्कूल, बेंगलुरू के कक्षा 8 वीं के 69 छात्रों ने 29 अगस्त 2019 को का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरू का दौरा किया।
- हि.व.अ.सं., शिमला ने प्रकृति कार्यक्रम के अंतर्गत जवाहर नवोदय विद्यालय, रेक्कोंग पिओ, किन्नौर, हिमाचल प्रदेश के कक्षा 6 वी से 12 वीं तक के 95 छात्रों के लिए वानिकी एवं पर्यावरण पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया।
- व.उ.सं., राँची ने माह के दौरान प्रकृति के अंतर्गत वानिकी एवं पर्यावरण पर निम्नांकित कार्यक्रम आयोजित किए :
- जवाहर नवोदय विद्यालय, पुट्टो, कोडर्मा, झारखण्ड में 21 अगस्त 2019 को।
- केन्द्रीय विद्यालय, सेवोके रोड, सालुगरा, दार्जिलिंग, पश्चिम बंगाल में 30 अगस्त 2019 को।

व.आ.वृ.प्र.सं. में प्रकृति कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र

व.अ.सं. में केन्द्रीय विद्यालय के छात्रों के लिए बहुमुखीकरण भ्रमण

जवाहर नवोदय विद्यालय, किन्नौर, हि.प्र. के छात्र

व.आ.वृ.प्र.सं. में प्रकृति कार्यक्रम के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम,

जागरूकता एवं प्रदर्शन कार्यक्रम

- वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान में 22 अगस्त 2019 को त्वचा एवं अंगदान पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। अंगदान के महत्व तथा व्यक्ति के जीवित होने एवं मृत्यु पश्चात दान किए जाने वाले अंगों पर सविस्तार वर्णन प्रस्तुत करने वाला एक व्याख्यान दिया गया।
- वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर की आंतरिक शिकायत समिति ने कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम पर जागरूकता कार्यक्रम 22 अगस्त 2019 को आयोजित किया।
- व.अ.के.–कौ.वि., छिंदवाड़ा ने 26 तथा 27 अगस्त 2019 को वर्तमान अनुसंधान परियोजना शीर्षक ''मोरिंगा ओलिओफेरा (ड्रमस्टिक) पर्णों से समृद्ध फास्ट फूड उत्पादों का विकास तथा ग्रामीण महिलाओं के लिए कौशल उन्नयन प्रशिक्षण'' के अंतर्गत महाम्मा गाँधी आयुर्वेद कॉलेज, हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेण्टर, सलोड़, वर्धा (महाराष्ट्र) तथा उमरी ग्राम पंचायत, वर्धा (महाराष्ट्र) में एक स्वास्थ्य जागरूकता शिविर आयोजित किया।
- वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट के विभिन्न प्रभागों की अनुसंधान एवं विकास गतिविधियां यथा पौधशाला प्रबंधन, कृषि, प्रवर्धन, मूल्य वर्धन, बाँस परिरक्षण तकनीकियां, जैव प्रौद्योगिकी एवं ऊतक संवर्धन, लाख कृषि, वानस्पतिक बाग, और्चिडेरियम, कृमि खाद इत्यादि पर 8,20,22,28 तथा 30 अगस्त 2019 को एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। जोरहाट के विभिन्न विद्यालयों के छात्रों तथा असम वन रक्षक प्रशिक्षण विद्यालय, मकुम के वन रक्षक प्रशिक्षुओं ने कार्यक्रम में भाग लिया।

मानव संसाधन समाचार

प्रत्यावासन

अधिकारी का नाम	तिथि
डॉ. मोहित गेरा, भा.व.से., निदेशक, व.आ.वृ.प्र.सं.	02.08.2019
श्री एन. मोहन कर्नाट, भा.व.से., वन संरक्षक, का.वि.प्रौ.सं.	02.08.2019
श्री उमा राम चौधरी, भा.व.से., वन संरक्षक, शु.व.अ.सं.	07.08.2019

पदोन्नति

अधिकारी का नाम	तिथि
श्री चमन लाल, अनुभाग अधिकारी, शु.व.अ.सं.	21.08.2019
श्री संजय पाण्डेय, अनुभाग अधिकारी, भा.वा.अ.शि.प.	21.08.2019
श्रीमती एन. उषा, अनुभाग अधिकारी, व.आ.वृ.प्र.सं.	21.08.2019
श्री एन.जी. शोभाचन्द्रा, अनुभाग अधिकारी, व.व.अ.सं.प	21.08.2019
श्री दिनेश के. धीमान, निजी सचिव, हि.व.अ.सं.	21.08.2019
श्रीमती भारती आनन्द, अनुभाग अधिकारी, व.अ.सं.	22.08.2019
श्रीमती रजनी दुग्गल, अनुभाग अधिकारी, व.अ.सं.	22.08.2019
श्री अजय अग्रवाल, अनुभाग अधिकारी, व.अ.सं.	23.08.2019

स्थानांतरण

अधिकारी का नाम	से	को
डॉ. सुमित चक्रवर्ती	उ.व.अ.सं., जबलपुर	व.अ.के.–त.पा., विशाखापत्तनम
डॉ. संजय सिंह, वैज्ञानिक–एफ	व.उ.सं.,राँची	व.अ.के.–पा.पु., प्रयागराज
डॉ. चरन सिंह, वैज्ञानिक–ई	व.अ.सं.,देहरादून	व.अ.के.–कौ.वि.,छिंदवाड़ा
श्रीमती शालिनी भोवते, वैज्ञानिक–बी	व.अ.सं.,देहरादून	व.अ.के.–कौ.वि.,छिंदवाड़ा

सेवानिवृत्ति/स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति

अधिकारी का नाम	तिथि
श्री रमन नौटियाल, वैज्ञानिक–ई, भा.वा.अ.शि.प.	01.08.2019
डॉ. मीना बक्शी, वैज्ञानिक–ई, व.अ.सं.	31.08.2019
श्रीमती सुमन कौशल, अवर सचिव, हि.व.अ.सं.	31.08.2019

संरक्षकः
डॉ. सुरेश गैरोला, महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प., देहरादून

संपादक मंडलः
श्री विपिन चौधरी, उप महानिदेशक (विस्तार), अध्यक्ष
डॉ. (श्रीमती) शामिला कालिया, सहायक महानिदेशक (मीडिया एवं विस्तार), मानद सम्पादक
श्री रमाकान्त मिश्र, मुख्य तकनीकी अधिकारी, (मीडिया एवं विस्तार प्रभाग),सदस्य

प्रत्याख्यान
- केवल निजी रूप से प्रसारण करने हेतु।
- वानिकी समाचार में, प्रकाशित सामग्री, संपादक मंडल के विचारों को अनिवार्यतः प्रतिबिंबित नहीं करती है।
- यहाँ प्रकाशित सूचना के लिए किसी भी प्रकार के नुकसान की भरपाई के लिए भा.वा.अ.शि.प. उत्तरदायी नहीं होगा।